



केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF KERALA

(संसद के अधिनियम / द्वारा स्थापित 2009 वर्ष ,Established under the Act of Parliament in 2009)
TEJASWINI HILLS, PERIYA P.O., KASARAGOD - 671316, KERALA

HEAD
DEPARTMENT OF HINDI & COMPARATIVE LITERATURE

CUR/HEAD/HINDI/2594/2021

Board of studies meeting Dept. of Hindi & Comparative Literature held on 21st April 2021

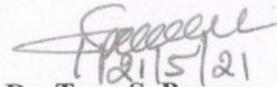
Venue : HoD Chamber/online

Agenda : Restructure of syllabus of M.A Hindi, Ph.D Course work, PG Diploma course in Hindi Translation and Office Procedure, PG Diploma in Hindi Journalism and Media Writing and Hindi Communicative Bridge Course.

Chair : Dr. Taru S.Pawar, Head of the Department

Board of studies Members

Sl No	Name of the Members	Designation	Signature
01	Dr. Taru S. Pawar	Chairperson	Online
02	Prof. Sudha Balakrishnan	Member	Online
03	Dr. Dharmendra Pratap Singh	Member	Online
04	Dr. Shalini M	Member	Online
05	Dr. Jayanti Prasad Nautiyal	Member	Online
06	Prof. R. Jayachandran	Member	Absent
07	Prof. Shanti Nair	Member	Online
08	Dr. Suma T. Rodanwar	Member	Online


21/5/21

Dr. Taru S. Pawar

Chairperson

विभागाध्यक्ष / Head of the Dept.
हिन्दी विभाग / Dept. of Hindi
केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Kerala
कासरगोड / Kasaragod



LTO 4202- मशीनी अनुवाद एवं भाषा प्रौद्योगिकी

Course Code	LTO 4202	Semester	II(Second)
Name of Course	मशीनी अनुवाद और भाषा प्रौद्योगिकी (Machini Anuvad Aur Bhasha Praudyogiki)		
Speciality	कौशल विकास और रोजगारपरक पाठ्यक्रम (Skill Development and Employability Course)		
Credit / क्रेडिट-04	Contact Hours: L-03, T-01=04	Type	Core

प्रश्नपत्र परिचय (Paper Description) :

मशीनी अनुवाद की गुणवत्ता संतोषप्रद नहीं है लेकिन फिर भी यह उपयोगी सिद्ध हो रहा है। मशीनी अनुवाद से आने वाले दिनों में जो प्रगति हो रही है उसका आकलन किया जाएगा। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में अनुवाद के महत्त्व को रेखांकित करते हुए प्रशिक्षण दिया जाएगा। अनुवाद का मूल्यांकन अनुवाद प्रक्रिया का प्रमुख अंग है। अनुवाद मूल्यांकन की प्रक्रिया, समस्याओं और आवश्यकता पर विस्तार से अध्ययन अनिवार्य है। अनुवादनीयता के सैद्धांतिक पक्षों और समस्या के समाधान पर भी चर्चा होगी। त्वरित अनुवाद का प्रशिक्षण भी जरूरी है।

प्रश्नपत्र उपयोगिता (Paper Outcome) :

- अनुवाद का मूल्यांकन करने में कुशलता हासिल होगी।
- साहित्यिक और साहित्येत्तर अनुवाद के अंतर को स्पष्ट समझकर मूल्यांकन से अनुवाद में प्रवाहमयता आएगी।

प्रश्नपत्र संरचना (Paper Structure) :

पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण इस प्रकार है-

इकाई-एक

1. अनुवाद मूल्यांकन की समस्याएँ
 - क) अनुवाद मूल्यांकन और अनुवाद की समीक्षा
 - ख) अनुवाद मूल्यांकन की आवश्यकता

इकाई-दो

- ग) अनुवाद मूल्यांकन की प्रक्रिया
- घ) अनुवाद मूल्यांकन की समस्याएँ

इकाई-तीन

2. अनुवादनीयता की समस्याएँ
 - क) अनुवाद और अनुवादनीयता

ख) अनुवादनीयता का सैद्धांतिक पक्ष

इकाई- चार

ग) पूर्ण, आंशिक और शून्य अनूद्यता

घ) अनुवादनीयता की समस्या का समाधान

परीक्षा पद्धति (pattern of Examination) :

- **आंतरिक परीक्षा (कुल अंक 40) :** लिखित परीक्षा-15 अंक, सेमिनार-10 अंक, प्रदत्त कार्य-10 अंक, अन्य गतिविधियाँ (Overall)- उपस्थिति, छात्र व्यवहार, सांस्कृतिक गतिविधियाँ आदि - 5 अंक।
- **सत्रांत परीक्षा : (कुल अंक 60)** खंड 'क' में 1 से 10 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जिसमें क, ख, ग और घ के रूप में चार विकल्प होंगे (10x1= 10)। खंड 'ख' में 11 से 16 संक्षिप्त टिप्पणी होंगी जिनमें से चार करने होंगे (4x5= 20)। खंड 'ग' 17 से 21 दीर्घ उत्तरीय (निबंध स्तरीय) प्रश्न होंगे जिनमें तीन लिखने होंगे (3x10 = 30)।